Rohtas Mahila College, Sasaram, 19-05-20, Tue
Dr. Amam Mumu, Dept of Psychology, B.A. Part II (H)
Pr. III, 2019-20

"बहुलक के गुण और दोषों का वर्णन करें" Topic

अतः केन्द्रीय प्रवृति की तीन मापों में बहुलक के सबसे गुण सबसे अधिक सीमित है। माध्य (mean) माध्यिका (Median) की तरह यह उपयोगी नहीं है। फिर भी इसके कुछ गुण अवश्य होते हैं जो निम्न लिखित हैं।

(i) जब कभी असमूहित आंकड़ा में उस अंक को जानना हो जो सबसे अधिक बार आया हो तो उसके लिए केवल बहुलक ही लाभप्रद है।

(ii) जब आंकड़े समूहित हो और उस वर्गान्तर के मध्यबिन्दु को जानना हो जिसमें अधिकतम बारंबारता हो तो बहुलक का उपयोग आवश्यक बन जाता है।

(iii) बारंबारता द्विबहुलकी या बहुबहुलकी हो तो बहुलक का मूल्य माध्य तथा माध्यिका से अधिक हो जाता है।

(iv) जब बहुत थोड़े समय में केन्द्रीय प्रवृति का एक स्थूल अन्दाज लेना हो तो इसका व्यवहार आवश्यक बन जाता है।

(v) बहुलक श्रेणी में चरम निरीक्षणों से प्रभावित नहीं होता है। इस आधार पर यह माध्य से बेहतर है।

बहुलक के दोष निम्न लिखित है। —

(i) बहुलक की कड़ा कठोर परिभाषा (rigid definition) संभव नहीं है।

(ii) चूंकि बहुलक से अधिकतम बारंबारता (maximum frequency) का बोध होता है। इसलिए यह श्रृंखला (series) के सभी निरीक्षणों (observations) पर आधारित नहीं होता है।

(iii) बहुलक से आगे के गणितीय निरूपण (mathematical treatment) में कोई लाभ नहीं होता है।

(iv) माध्य (mean) तथा माध्यिका की अपेक्षा बहुलक (mode) पर प्रतिदर्श (sample) के घट बढ़ का प्रभाव अधिक पड़ता है।

Scanned with CamScanner

(v) जो स्थिरता (Stability) माध्य (mean) में पायी जाती जाती है, वह माध्यिका (median) या बहुलक (mode) में नहीं पायी जाता है।